मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

–::परीक्षा योजना::–

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए ज़ाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

   1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
   2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
   3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
   4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
   5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2022

पाठ्यक्रम-प्रथम प्रश्न-पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. **मध्यप्रदेश का भूगोल**

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. **मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र**

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

Assistant Professor Examination – 2022
सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022
Syllabus of Economics
अर्थशास्त्र का पाठ्यक्रम

UNIT-1: Micro-economic Analysis

- Definition, Scope and Assumptions of Economics in Ancient India, Concept of Wants and Consumption in Ancient India, Meaning of Money, Importance and Code of Conduct for Earning Money, Economic Thought of Manu, Brahashpati and Kautilya.
- Concept of Behavioural and Cognitive Economics, Demand Analysis – Marshallian, Hicksian and Samuelsson's Revealed Preference Theory. Demand and Supply and its Elasticities. Production Function, Theory of Production and Cost.
- Price and Output Determination under different form of market structure.
- Different models and objectives of the firms – Boumal, Morris and Williamson, Decision making under uncertainty, Attitude towards Risk, Game Theory – Zero-Sum Game, Pure and Mixed Strategy, Saddle Point Solution; Factor Pricing Analysis.
- Theories of Distribution; Marginal Productivity Theory, Wage, Interest, Rent and Profit. Concept of Welfare Economics:-Theory of Pigou, Parreto and Arrow.

इकाई 1: सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण

- प्राचीन भारत में अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र एवं मान्यताएँ, प्राचीन भारत में आवश्यकता एवं उपभोग की अवधारणा, धन का अर्थ, महत्त्व एवं धनार्जन की आचार संहिता, मनु, बृहस्पति एवं कौटिल्य का आर्थिक चिंतन।
- व्यावहारिक और संज्ञानात्मक अर्थशास्त्र की अवधारणा, मांग विश्लेषण: मार्शल, हिक्स तथा सैम्युलसन का प्रकटित अधिमान सिद्धांत। मांग, पूर्ति एवं इनकी लोच। उत्पादन फलन, उत्पादन एवं लागत के सिद्धांत।
- बाजार संरचना के विभिन्न रूपों के तहत् मूल्य एवं उत्पादन निर्धारण।
- फर्मों के विभिन्न मॉडल के उद्देश्य – बौमल, मॉरिस और विलियमसन, अनिश्चितता के तहत् निर्णय लेना, ज़ोखिम के प्रति व्यवहार; खेल सिद्धान्त :– जीरो–सम गेम, प्योर एंड मिक्स्ड स्ट्रैटेजी, सैडल पॉइंट सॉल्यूशन, साधन मूल्य निर्धारण विश्लेषण।
- वितरण के सिद्धांत, सीमांत उत्पादकता सिद्धांत, मजदूरी, ब्याज, लगान तथा लाभ; कल्याणवादी अर्थशास्त्र :– पिगू, पैरेटो एवं एरो का सिद्धांत।

UNIT-2 : Macro-Economic Analysis

- Definition, Concept, Componantes, Measurement and estimation of National Income, National Income and Social Accounting, National Income and Welfare
- Determination of output and employment – Classical Approach, Keynesian Approach, Keynesian Employment Theory, Aggregate Supply and Aggregate Demand, Effective Demand. Liquidity Preference Theory.
- Psychological Law of Consumption, Absolute Income Hypothesis, Relative Income Hypothesis, Permanent Income Hypothesis, Life Cycle Hypothesis. Monetary Policy: Instruments of Monetary Policy, Development of Monetary Policy in India.
- Multiplier Theory, Theories of Investment and Accelerator. Output – Price Determination in four sector economy
- Fleming-Mundell Open Economy Model. IS-LM Model. Trade Cycle Theories.

इकाई 2: समष्टि आर्थिक विश्लेषण

- राष्ट्रीय आयः परिभाषा अवधारणा एवं अवयव, राष्ट्रीय आय की माप एवं अनुमान, राष्ट्रीय आय एवं सामाजिक लेखांकन, राष्ट्रीय आय एवं कल्याण।
- उत्पादन और रोजगार का निर्धारण – प्रतिष्ठित दृष्टिकोण, कीन्सियन दृष्टिकोण, कीन्स का रोजगार सिद्धांत, समग्र पूर्ति एवं समग्र माँग, प्रभावी माँग। तरलता पसंदगी सिद्धांत।
- उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम, निरपेक्ष आय परिकल्पना, सापेक्ष आय परिकल्पना, स्थायी आय परिकल्पना एवं जीवन चक्र परिकल्पना। मौद्रिक नीति : मौद्रिक नीति के उपकरण, भारत में मौद्रिक नीति का विकास
- गुणक सिद्धांत, निवेश एवं त्वरक के सिद्धांत, चार क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन एवं मूल्य निर्धारण।
- फ्लेमिंग–मुंडेल की खुली अर्थव्यवस्था मॉडल। आईएस–एलएम मॉडल। व्यापार चक्र के सिद्धांत।

UNIT-3: Growth and Development

- Concept,Characteristics and Indicators of Economic Growth, Inclusive Growth, Development and Sustainable Development.Circular Causation, Structural view of Underdevelopment.Measurement of development;- Conventional Methods, HDI and Quality of Life Indices.
- Concept of Environmental Sustainability, Environment and Development Dillema , Environmental and Economic accounting, Environment Regulation in India, Climate Change its Impact and Remedies, Coase Bargaining Solutions.
- Growth Models of John Rabinson and Kaldor. Theory of Technological Progress and Economic Growth of Hicks and Harrod. Meade's Models, Lewis Model and Ranis-Fei Model of Development. Dependency Theory of Development.
- Approaches of Development: Balanced and Unbalanced Growth, Critical Minimum Effort, Big-Push, Low Income Equilibrium Trap.
- Endogenous Growth:- Role of Education, Health, Research and Knowledge, Explanation of Cross Country Differentials in Economic Development and Growth.

इकाई 3: संवृद्धि एवं विकास

- आर्थिक संवृद्धि, समावेशी, संवृद्धि और धारणीय विकास की अवधारणा, विशेषताएं एवं सूचक, चक्रीय कारण, अल्पविकास का संरचनात्मक स्वरूप; विकास के माप :– पारंपरिक, एचडीआई एवं जीवन की गुणवत्ता–सूचकों का मापन।
- पर्यावरणीय धारणीयता की अवधारणा, पर्यावरण और विकास विरोधाभास, पर्यावरणीय और आर्थिक लेखांकन, भारत में पर्यावरण विनियमन, जलवायु परिवर्तन एवं इसका प्रभाव और उपचार, कोज़ का सौदेबाजी समाधान।
- जॉन रॉबिन्सन और कलडोर का विकास मॉडल, तकनीकी प्रगति एवं आर्थिक विकास के हिक्स एवं हैरोड के सिद्धांत। मीड, लुईस, रानिस–फी के विकास मॉडल, वृद्धि का निर्भरता सिद्धांत।
- विकास के दृष्टिकोण:– संतुलित विकास एवं असंतुलित विकास, न्यूनतम प्रयास सिद्धांत, बड़े धक्के का सिद्धांत, निम्न आय संतुलन जाल।
- अंतर्जात विकास:– शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान और ज्ञान की भूमिका – आर्थिक विकास और वृद्धि में अन्तर–देशीय भिन्नताओं की व्याख्या।

UNIT-4: Development and Planning

- Factors of Economic Development: Natural, Physical and Human Resources. Infrastructure and Development.
- Importance of Agriculture and Industry in Economic Development, Choice of Technology and Appropriate Technique:- Investment Criteria, Cost-Benefit Analysis.
- Dependencia theories of Development the neoclassical Counterevolution Dualism, Centre Periphary Models and Process of Cumulative Causation.
- Concepts, Approaches, Types, Objectives, Strategies, Techniques of Planning, various five years Plans in India, Role of Planning Commission of India in Market Oriented Economy and NITI AYOG.
- Indian Economic Thinkers: M.K.Gandhi, BR Ambedkar, Deendayal Upadhyaya, Dattopant Thengre, Ram Manohar Lohia, JK Mehta, Amartya Sen and Jagdish Bhagwati.

इकाई 4: विकास एवं नियोजन

- आर्थिक विकास के घटक: प्राकृतिक, भौतिक एवं मानवीय संसाधन। आधारभूत संरचना एवं विकास।
- आर्थिक विकास में कृषि एवं उद्योग का महत्व, तकनीक चयन एवं उपयुक्त तकनीक, निवेश मापदंड लागत–लाभ विश्लेषण ।
- विकास के निर्भरता सिद्धांत नवशास्त्रीय प्रतिक्रांति, द्वैतवाद, केन्द्र परिधि मॉडल और संचयी कारण की प्रक्रिया।
- नियोजन: अवधारणा, दृष्टिकोण, प्रकार, उद्‌देश्य, रणनीति, नियोजन की तकनीक, भारत में विभिन्न पंचवर्षीय योजनाएँ, बाजारोन्मुखी अर्थव्यवस्था में भारतीय योजना आयोग की भूमिका एवं नीति आयोग।
- भारतीय आर्थिक चिंतक : मोहनदास करमचन्द्र गॉधी, बी.आर. अंबेडकर, दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेगंड़ी, राम मनोहर लोहिया, जे.के. मेहता, अमर्त्य सेन एवं जगदीश भगवती।

UNIT-5 : Public Finance

- Private, Public and Merit Goods, Budget, Zero-Base Budgeting, Different Concepts of Budget, concept of Public Goods and Taxation as per Kautilya, Latest Central and State Budget of Madhya Pradesh
- Theories of Public Expenditure and its effects on saving, investment, growth and on other economic indicators
- Theories of Taxation, Types of taxation , Impact, Incidence and effects of taxation; GST its genesis and superiority over earlier taxation system.
- Public Debt its concept, merits and demerits, Trends in Revenue and Expenditure of the Center and State Government of Madhya Pradesh, Centre-State Financial Relation; Center State Finance Commissions of Center and M.P. Government.
- Fiscal policy and Fiscal Reforms in India, Financial Sources of State and Local Self Government.

इकाई 5: सार्वजनिक वित्त

- निजी, सार्वजनिक एवं मेरिट वस्तुएँ; **शून्य आधारित बजट**, बजट की विभिन्न अवधारणाएँ, कौटिल्य के अनुसार सार्वजनिक वस्तुओं और करों की अवधारणा, केन्द्रीय एवं मध्य प्रदेश राज्य का नवीनतम बजट।
- सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत एवं बचत, निवेश, वृद्धि एवं अन्य आर्थिक सूचकों पर इसका प्रभाव
- करारोपण के सिद्धांत, करों के प्रकार, **करापात, कराघात एवं कराधान** के प्रभाव, जीएसटी की उत्पत्ति एवं पूर्व कर प्रणाली पर इसकी श्रेष्ठता।
- सार्वजनिक ऋण की अवधारणा, गुण एवं दोष, केन्द्र एवं मध्यप्रदेश राज्य के आय व व्यय की प्रवृत्तियाँ, केन्द्र राज्य वित्तीय संबंध, केन्द्र व मध्यप्रदेश राज्य का वित्तीय आयोग।
- राजकोषीय नीति एवं भारत में राजकोषीय सुधार; राज्य व स्थानीय स्वशासन के वित्तीय स्त्रोत।

UNIT-6: Money, Banking and Financial Institutions

- Definition, Functions, Importance of Money, Money Value Theories – Fisher and Cambridge Versions, Keynesian Friedman, Patinkin, Baumol and Tobin Approaches.
- Supply of Money, Determinates of Money Supply, High-Powered Money, Plastic and Electronic Money, Money Multiplier
- Change in Value of Money, Inflation and Deflation, Phillips Curve; Role, Components and Functions of Money and Capital Markets
- Concept of Money and Banking in Ancient India, Commercial Banks and Co-Operative Banks: Functions and Importance, Specialised Financial Investment Institutions, Non-Banking Financial Institutions and Regional Rural Banks
- Central Bank: Functions, Credit Control and Importance; Reserve Bank of India and its Recent Monetary and Credit Policies.

इकाई 6: मुद्रा, बैंकिंग तथा वित्तीय संस्थाएँ

- मुद्रा की परिभाषा, कार्य तथा महत्व, मुद्रा मूल्य का सिद्धांत– फिशर और कैम्ब्रिज दृष्टिकोण, कीन्सियन, फ्रीडमैन, पेटिंकिन, बाउमोल एवं टोबिन के दृष्टिकोण।
- मुद्रा की पूर्ति मुद्रा पूर्ति, के निर्धारक, उच्च शक्ति मुद्रा, प्लास्टिक एवं इलेक्ट्रॉनिक मुद्रा गुणक।
- मुद्रा मूल्य में परिवर्तन, मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति, फिलिप्स वक्र; मुद्रा एवं पूंजी बाजार की भूमिका, घटक और कार्य।
- प्राचीन भारत में मुद्रा एवं बैकिंग की अवधारणा, वाणिज्यिक बैंक एवं सहकारी बैंक के कार्य एवं महत्व। विशिष्ट वित्तीय निवेश संस्थान, गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक।
- केन्द्रीय बैंकः– कार्य, महत्व एवं साख नियंत्रण, भारतीय रिजर्व बैंक और इसकी नवीन मौद्रिक एवं साख नीतियाँ।

UNIT-7: International Economics

- Theories of International Trade: Empirical verification and Relevance. Determination of Terms of Trade Concept of Tarrif, Quata and Dumping .
- Balance of payments definition, types and importance, Balance of paymets- current and capital account.
- Theories of Foreign Exchange Rate; Exchange Trading, Arbitrage and Market Hedging, Balance of Payments, Foreign Trade multiplier.
- Foreign Trade Reforms and Liberalisation, International Capital·Movement.
- Importance of International Trade, Two-gap Analysis, Prebish Singer and Myrdal view on International Trade, Gains from Trade of Developing Countries,Role of G-20, IBRD, WTO and IMF in Development.

इकाई 7: अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, अनुभवजन्य सत्यापन एवं प्रासंगिकता। व्यापार की शर्तों का निर्धारण, प्रशुल्क, अभ्यंश एवं राशिपातन की अवधारणा।
- भुगतान संतुलन परिभाषा, प्रकार व महत्व, भुगतान संतुलन– चालू और पूँजी खाता
- विदेशी विनिमय दर के सिद्धांत – विनिमय व्यापार, अंतरपणन एवं बाजार हेजिंग एवं विदेशी व्यापार गुणक ।
- विदेशी व्यापार सुधार एवं उदारीकरण, अंतर्राष्ट्रीय पूँजी प्रवाह।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व, द्वेत अंतराल विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर प्रेबिस सिंगर व मिड्रल के विचार, विकासशील देशों का व्यापार के लाभ, विकास में जी–20, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन व अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका।

UNIT-8 : Indian Economy

- Salient Features of Indian Economy, Sectoral composition of Indian Economy Demographic Features of Indian Economy and Population Policy
- Important Characteristics of Indian Agriculture, Major Agricultural Production of India and its Productivity, Emerging Issues in Institutional and Technological Aspects in Agriculture Sector, Agricultural Price Policy, Natural Farming, Agriculture Finance and Marketing.
- Industrial Growth in India, Industrial Finance, MSME Sector, Industrial Policies of India since Independance. Major Industrial Production. Atma Nirbhar Bharart and Make in India, Start-ups and Unicorn in India. Infrastructure Development In India. PM Gati Shakti Yojna
- Concept and status of Poverty, Unemployment, Migration, and Indian Economy, Women Empowerment in India Role and Importance of Rural in Economy.
- Recent Development in Indian Foreign Trade, Emergence of India as a Global Economic Power.

इकाई 8: भारतीय अर्थव्यवस्था

- भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षेत्रीय संरचना, भारतीय अर्थव्यवस्था की जननांकीय विशेषताएँ एवं जनसंख्या नीति।
- भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषताएॅं, भारत की प्रमुख कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता, कृषि क्षेत्र में संस्थागत एवं तकनीकी पहलुओं के उभरते मुद्दे। कृषि कीमत नीति– प्राकृतिक खेती, कृषि वित्त एवं विपणन।
- भारत में औद्योगिक संवृद्धि, औद्योगिक वित्त, एम.एस.एम.ई. क्षेत्र, स्वतंत्रता के बाद भारत की औद्योगिक नीतियाँ, प्रमुख औद्योगिक उत्पादन, आत्म निर्भर भारत और मेक इन इंडिया, भारत में स्टार्टअप एवं यूनीकार्न। भारत में अधोसंरचनात्मक विकास। प्रधानमंत्री, गतिशक्ति योजना।
- गरीबी, बेरोजगारी, प्रवासन, व महिला सशक्तिकरण की अवधारणा व स्थिति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्व एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में भूमिका।

- भारतीय विदेशी व्यापार में नवगतिविधियाँ, वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में भारत का उदय।

UNIT-09: Statistical Methods

- Measures of Central Tendency and Dispersions, Skewness and Kurtosis, Simple Correlation and Regression Analysis. Index Number and Time Series Analysis.
- Concept and meaning of Sampling and Census Methods, Types of Sampling, Binomial, Poisson and Normal Distribution, Random variable and Probabilty distribution,Hypothesis Testing ,Types of Error, T-Test, F-test, Chi-square Test and ANOVA Test
- CLRM, Assumption and Properties, Multiple Regression Model: Estimation and Interpretation
- Application of Differential and Integral Calculus and Metrix in Theories of Consumer Behaviour, Production and Pricing Under Different Market Conditions
- Input-Output Analysis And Linear Programming

इकाई 09: सांख्यिकीय विधियाँ

- केंद्रीय प्रवृत्ति एवं प्रसरण की माप, विषमता एवं कुकुदता, सरल सहसम्बन्ध एवं प्रतीपगमन विश्लेषण, सूचकांक, संख्या और काल श्रेणी विश्लेषण।
- निदर्शन एवं संगणना की अवधारणा व अर्थ, निदर्शन के प्रकार; द्विपद, प्वासन एवं सामान्य वितरण। यादृच्छिक चर प्रायिकता वितरण, परिकल्पना परीक्षण, त्रुटि के प्रकार एवं काई–वर्ग–परीक्षण, टी– परीक्षण, एफ–परीक्षण एनोवा (ANOVA)
- सीएलआरएम, मान्यताएँ एवं विशेषताएँ, बहु प्रतिगमन विश्लेषण, अनुमान एवं व्याख्या।
- विभिन्न बाजार स्थितियों के अन्तर्गत उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन और मूल्य निर्धारण के सिद्धांतों में अवकलन, समाकलन एवं आव्यूह का अनुप्रयोग।
- आगत–निर्गत विश्लेषण एवं रैखीय प्रोग्रामिंग।

UNIT-10 : Economy of Madhya Pradesh

- Salient Features of Madhya Pradesh Economy, Natural Resources in Madhya Pradesh,Infrastructure in Madhya Pradesh,Social Infrastructure in Madhya Pradesh
- Demographic Features of Madhya Pradesh , Trends of major Demographic Features of Madhya Pradesh and HDI in Madhya Pradesh
- Role of agriculture in Madhya Pradesh Economy, Agro-climatic Zone of Madhya Pradesh Production and Productivity of Major Crops of Madhya Pradesh . Cropping Pattern in Madhya Pradesh Agriculture policy in Madhya Pradesh, Status of One District One Product (ODOP) for agricultural Product.
- Industrial Growth in Madhya Pradesh, Major Industries, MSME Sector, Industrial Policy of Madhya Pradesh; Industrial Estate in Madhya Pradesh. Status of Tourism, Horticulture, Organic Farming and Foreign Investment in Madhya Pradesh, Status of One District One Product (ODOP) for Industrial Product.
- Features of Tribal Economy of Madhya Pradesh, Cropping Pattern in Tribal of Madhya Pradesh , Marketing of Tribal Products and Haat Bajar, Tribal Livelihood Pattern , Government Schemes for Upliftment of Tribal Region and People.

इकाई 10 : मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था

- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था प्रमुख विशेषताएँ, मध्य प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनः मध्य प्रदेश में आधारभूत संरचना : मध्य प्रदेश में सामाजिक आधारभूत संरचना।
- मध्य प्रदेश में जनांकिकी विशेषताएँ, मध्यप्रदेश के प्रमुख जनांकिकीय सूचकों की प्रवृत्तियाँ, मध्यप्रदेश में मानव विकास सूचकांक।
- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान; मध्यप्रदेश में कृषि–जलवायु क्षेत्र, मध्यप्रदेश में प्रमुख फसलों का उत्पादन एवं उत्पादकता, मध्यप्रदेश में फसल प्रारूप, मध्यप्रदेश में कृषि नीति, कृषि उत्पाद के क्षेत्र में एक जिला एक उत्पाद की प्रस्थिति।
- मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास : प्रमुख उद्योग, एमएसएमई क्षेत्र, मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीति, मध्य प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र। मध्यप्रदेश में पर्यटन, उद्यानिकी, जैविक खेती, एवं विदेशी निवेश की प्रस्थिति, औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में एक जिला एक उत्पाद की प्रस्थिति।

- मध्यप्रदेश के जनजातीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ, आदिवासी क्षेत्र में फसल प्रारूप, जनजातीय उत्पादों का विपणन एवं हाट बाजार, जनजातीय अजीविका प्रारूप, जनजातीय क्षेत्र और लोगों के उत्थान हेतु सरकारी योजनाएँ।

---xxx---